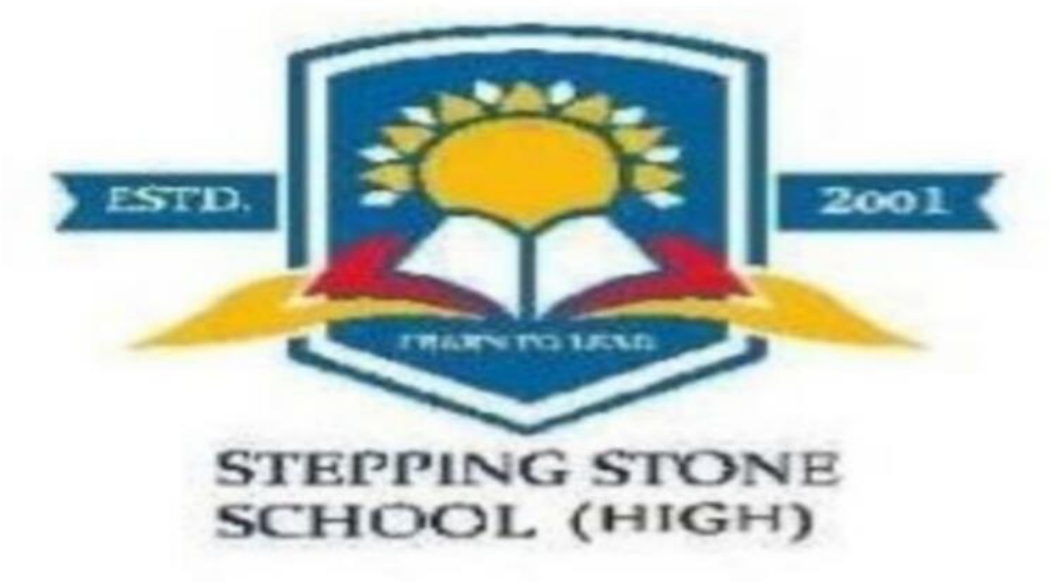

ESTD. 2001

STEPPING STONE
SCHOOL (HIGH)

Class-3

Sub-2nd Lang(Hindi)

Worksheet – 28

Date-01.07.2020

Time Limit-30mins

बच्चों, ध्यान दें, जैसा कि आपको बताया जा चुका है कि आपको दो कॉपियांsingle line की बनानी है । शिखा हिंदी पाठमाला की कॉपी में भी प्रथम पृष्ठ पर विषय–सूची (content) बनाना है । विषय- सूची का नमूना साथ दिया

जा रहा है आप भी ठीक उसी प्रकार विषय सूची बनाएंगे ।

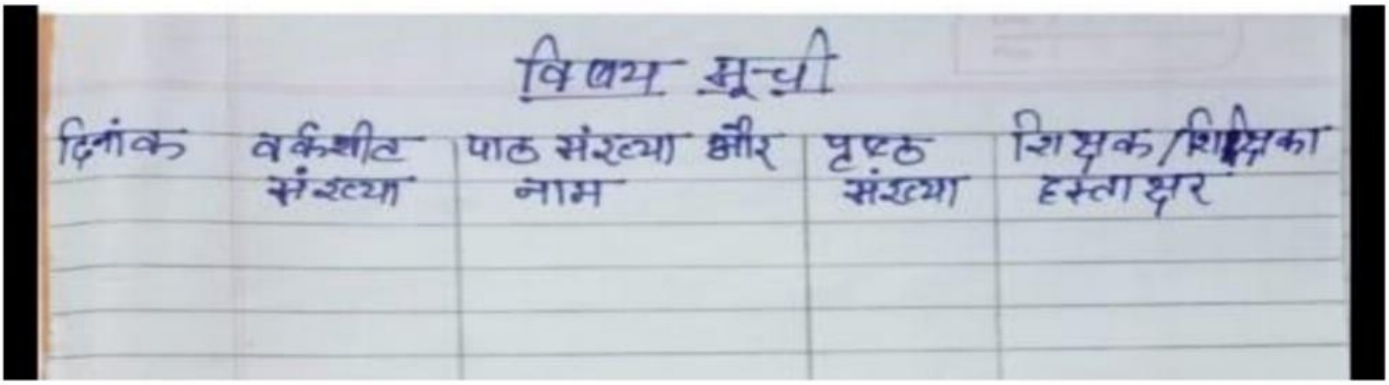

विषय सूची

दिनांक	वर्कशीट संख्या	पाठ संख्या और नाम	पृष्ठ संख्या	शिक्षक/शिक्षिका हस्ताक्षर

बच्चों,आप लोगों को पाठ-4 के बाकी का जो अंश भेजा जा रहा है उसे ध्यान से पढ़िए और रेखा अंकित किए गए वर्तनी और शब्दार्थ को कॉपी में उतारिए और याद कीजिए ।

अब क्या था मैंने तो चारों ओर हाथ-पाँव फैलाने शुरू कर दिए। टहनियों, पत्तों की संख्या बढ़ते-बढ़ते विशाल आकार में बदलने लगी।

पक्षियों का कलरव मुझे मुखरित करता, एक असीम आनंद से भरकर मैं अपनी पत्तियों को हिलाहिलाकर तालियाँ बजाता।

घर का मालिक मेरे तीव्र विकास से प्रसन्न था। घर का हर प्राणी दिन में कभी न कभी आकर मेरा निरीक्षण करता।

बच्चो! अब मैं एक आम-वृक्ष हूँ। हर गर्मी के मौसम में मुझमें फूल आते हैं, जिन्हें बौर कहते हैं। आम का बौर अर्थात मेरा पुष्पित होना। कोयल को कुहुकने पर विवश करता है। पता है क्यों? अरे भाई! इतनी प्यारी सुगंध होती है मेरे फूलों के गुच्छों की।

बौर महकता रहा, शनैः शनैः लद गईं मुझ पर छोटी खट्टी अँबिया। ढेर सारे बच्चे मेरे फलों को पाने की आशा से आते। मैं भी खुश होकर एक-दो अँबिया टपका देता, कभी-कभी घर का मालिक अँबिया तोड़कर बच्चों को खाने को देता। घर की मालकिन दो-चार अँबिया लेकर चटनी या लौंजी बनातीं। मेरी अँबिया से बना पना बड़ा स्वादिष्ट और गुणकारी होता है। बच्चो यह पना 'लू' लगने से तुम्हें बचाता है। रश्मिया काकी तो मेरी अँबियों को तोड़कर ले गईं और अचार डाल दिया।

मेरी अँबियों का अचार कुक्कू के लंच में भी जाएगा। कुछ छिपी और छोड़ी गई अँबिया पक गईं और बन गया मीठा, रसीला आम। फिर आम खाया, गुठली फेंकी गई और पुनः एक आम का वृक्ष जन्म लेने को तत्पर हुआ। इस तरह हुआ मेरा पुनर्जन्म।

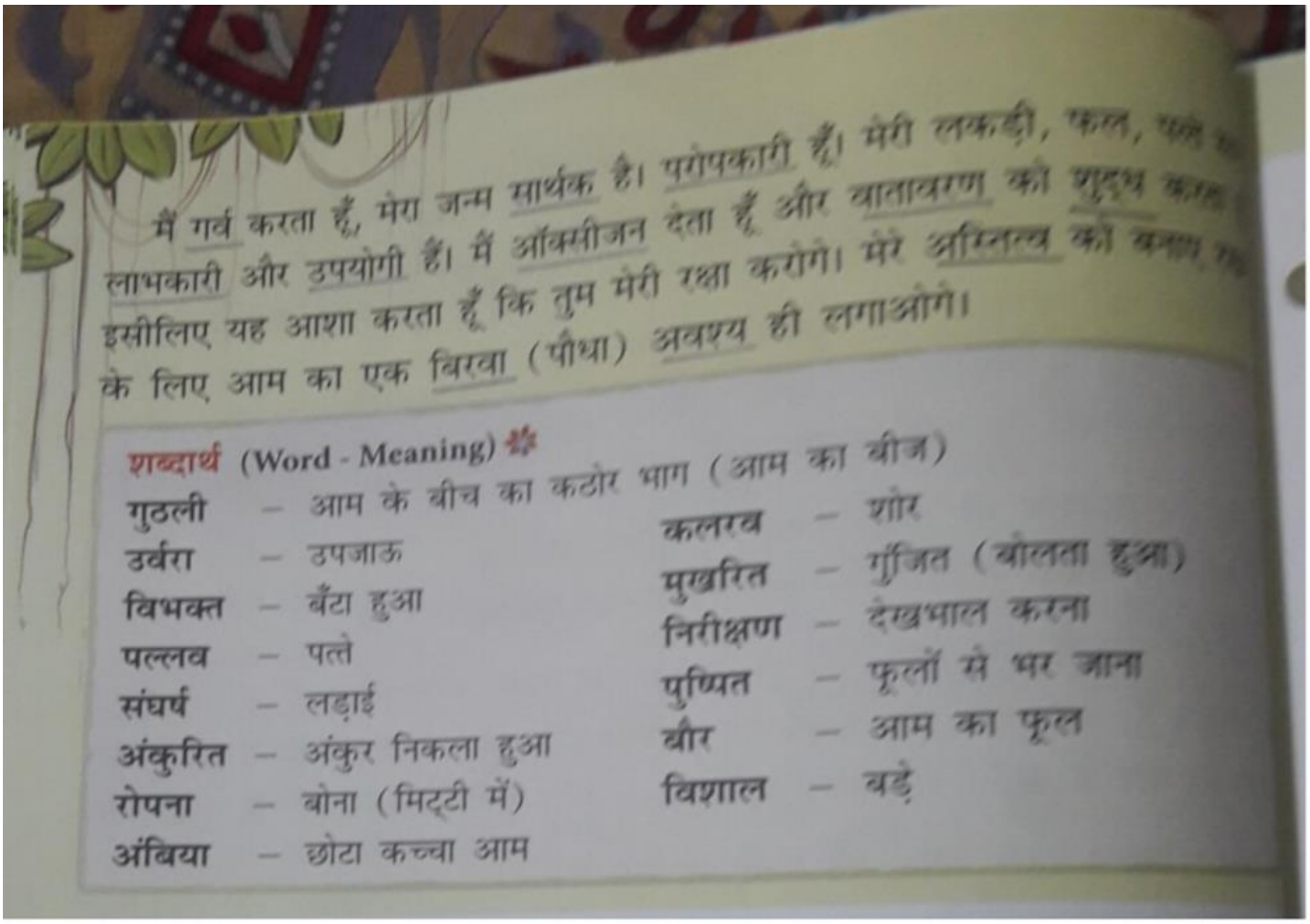

मैं गर्व करता हूँ, मेरा जन्म सार्थक है। परोपकारी हूँ। मेरी लकड़ी, फल, पत्ते
लाभकारी और उपयोगी हैं। मैं ऑक्सीजन देता हूँ और वातावरण को शुद्ध करता
इसीलिए यह आशा करता हूँ कि तुम मेरी रक्षा करोगे। मेरे अस्तित्व को बनाए रख
के लिए आम का एक बिरवा (पौधा) अवश्य ही लगाओगे।

शब्दार्थ (Word - Meaning)

गुठली – आम के बीच का कठोर भाग (आम का बीज)
उर्वरा – उपजाऊ
विभक्त – बँटा हुआ
पल्लव – पत्ते
संघर्ष – लड़ाई
अंकुरित – अंकुर निकला हुआ
रोपना – बोना (मिट्टी में)
अंबिया – छोटा कच्चा आम
कलरव – शोर
मुखरित – गुंजित (बोलता हुआ)
निरीक्षण – देखभाल करना
पुष्पित – फूलों से भर जाना
बौर – आम का फूल
विशाल – बड़े

सारांश :

बच्चों, पाठ के इस अंश में बीज अपने वृक्ष बनने की बात बता रहा है कि किस प्रकार वह एक छोटे से नन्हे गुठली से एक बड़ा सा वृक्ष बनता है । जब वह वृक्ष बन जाता है तब

उसमें टहनियां ,फूल और फल(आम) आने लगता है ।आम जब कच्चा होता है तो उससे चटनी या लौंजी बनाते हैं । कच्चे आम को अंबिया भी कहते हैं । आम जब पक जाते हैं तो यह सब को खूब आते हैं क्योंकि यह मीठे और रसीले होते हैं । लोग जब फिर आम का सेवन करते हैं तो उससे गुठली निकलती है और फिर गुठली से वृक्ष बनता है । वृक्ष बहुत परोपकारी होते हैं । यह वातावरण को शुद्ध करते हैं,लकड़ी,फूल, फल,पत्ते आदि भी प्रदान करते हैं । बीज से वृक्ष,वृक्ष से फल, फल से पुनः बीज और फिर वृक्ष यही क्रम बताया जा रहा है इस कहानी में ।